POST GRADUATE DEPARTMENT

OF

TRIBAL AND REGIONAL LANGUAGES

M.A. (SANTALI) SYLLABUS

Session 2020 – 22 Onwards

KOHAN UNIVERSITY, CHAIBASA

SINGHBHUM WEST, JHARKHAND - 833202

PG (SANTALI) SYLLABUS: SESSION 2020-22 ONWARDS

EXAMINATION FRAMEWORK

Marks Weightage and Scheme of Examination

(A) Mark Weightage of a Course

Each course shall be of 100 Marks having two components –

(i) 70 Marks shall be assigned to the End Semester University Examination (ESUE), conducted by the University, and

(ii) 30 Marks for Sessional Internal Assessment (SIA), conducted by the Department/College. The 30 Marks of SIA shall be further divided in the following manner:

a. 20 Marks for Internal Written Examinations,

b. 05Marks for Written Assignment and

c. 05 Marks for overall performance of a student including regularity in the classroom lectures/ seminars and other activities of the Department/College.

d. There shall be two written internal examinations, each of 1 hour duration and each of 20 marks, in a semester out of which the best one shall be taken for computation of marks under SIA.

e. Project courses would also be of 100 marks but there shall be no internal written examinations (SIA) of the type specified above. The total 100 marks will have three components: Periodical presention for 20 marks, The written component of the project (Project Report) shall be of 60 marks and 20 marks will be for the Viva-voce examination jointly conducted by an external wxaminer.

End Semester University Examination (ESUE): *The End Semester University Examination for ODD semesters (1st& 3rd semesters) will normally be held in the month of December every current Academic Year and will be of Three Hours duration. Similarly, the End Semester University Examinations for EVEN semesters (2nd& 4th semesters) will normally be conducted in the month of June every current Academic Year and will be of Three Hours duration. Question Pattern- There will be a uniform pattern of questions for all the courses and of all the programmes. A total of EIGHT questions will be set in each course for the ESUE in which Question 1 will be Objective Type Question (MCQ/ True-False/Fill in the Blanks etc.) consisting of 10 questions of 1 mark each. Question No. 1 will be COMPULSORY. Any FOUR questions shall have to be answered by the examinees out of the remaining SEVEN questions carrying 15 marks each.*

(B) Eligibility Criteria for appearing at Semester Examinations

To qualify for appearing at the First, Second, Third and Fourth semester course Examinations in the various programmes in the Faculties of Science, Social Science, Humanities and Commerce, a candidate must have completed a regular course of study in the University Department/College in the programme in which he/she is registered, (b) Attended at least 75% of the lectures, tutorials and practical sessions, whichever applicable, separately during a semester and (c) Have been registered in the University as a student. Provided in case of a candidate earning less than 75% of attendance in any of the semesters due to any extraordinary circumstance, like lines, accident, mishap in the family and deputation by the University/Department/College, condition to the extent of 25% only shall be granted by the Head of the Department/Principal of the College. To be eligible for appearing at the Final Semester Examinations, a student must pass all subjects/courses in the previous semesters (1st to 3rd semester).

COURES STRUCTURE FOR P.G. SANTALI SESSION 2020-2022

SEMESTER – I

Course Code	Course Title	Credit	Marks			Page No.
			SIA	ESUE	Total	
CC-101	जातिविज्ञान	4	30	70	100	4
CC-102	सामान्य भाषा विज्ञान	4	30	70	100	4
CC-103	संताली पत्रकारिता एवं पत्रिका साहित्य	4	30	70	100	5
CC-104	संतालों का स्वशासन व्यवस्था	4	30	70	100	5
CC-105	संताली गद्य साहित्य	4	30	70	100	6

SEMESTER – II

Course Code	Course Title	Credit	Marks			Page No.
			SIA	ESUE	Total	
CC-201	संताली साहित्य का इतिहास	4	30	70	100	6
CC-202	संताली लोक साहित्य	4	30	70	100	7
CC-203	साहित्य सिद्धांत	4	30	70	100	7
CC-204	संताली पद्य साहित्य	4	30	70	100	8
CC-205	शोध प्रविधि	4	30	70	100	8

SEMESTER – III

Course Code		Course Title	Credit	Marks			Page No.
				SIA	ESUE	Total	
CC-301		संताली भाषा विज्ञान का वैज्ञानिक अध्ययन एवं व्याकरण	4	30	70	100	9
CC-302		संताली निबंध साहित्य	4	30	70	100	9
DSE-1	Group-A	संताली उपन्यास	4	30	70	100	10
	Group-B	संताली कविता					10
	Group-C	संताली नाटक					11
DSE-2	Group-A	संताली लोक कथा	4	30	70	100	11
	Group-B	संताली लोक गीत					12
	Group-C	संताली लोक नाट्य					12
PR-301		DSE-1,2 या DSE-3,4 में से चयनित विषय पर शोध कार्य तैयार करेंगें ।	6	PP – 20, WC - 60 VV - 20		100	13

SEMESTER – IV

Course Code		Course Title	Credit	Marks			Page No.
				SIA	ESUE	Total	
CC-401		भारतिय साहित्य	4	30	70	100	13
CC-402		अनुवाद विज्ञान एवं सिद्धांत	4	30	70	100	14
DSE-3	Group-A	संताल संस्कार	4	30	70	100	14
	Group-B	संताल सांस्कृति					15
	Group-C	संताल लोक कला एवं पौराणिक साहित्य					16
DSE-4	Group-A	संताली साहित्यकार एवं उनके साहित्य	4	30	70	100	17
	Group-B	झारखण्ड के वीर सपूत एवं उनके कृतित्व					18
	Group-C	झारखण्ड का इतिहास					18
PR-401		PR-301 में चयनित शोध कार्य को पुरा करेंगे ।	6	PP – 20, WC - 60 VV - 20		100	19

Nots a : CC- Core Course, DSE – Discipline Specific Elective, PR – Project, SIA – Sessional Internal Assesment, ESUE – End semester University Examination, PP- Periodical Presentation, WC - Written Component, VV - Viva-Voce

FIRST YEAR

SEMESTER – 1

Course Code	Course Title	Credit
CC-101	***जातिविज्ञान (Ethnology)***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 जातिविज्ञान का सामान्य परिचय*** : जातिविज्ञान का आर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ । ***2 जातिविज्ञान की मुख्य शाखाएँ*** : उपयोगिता एवं वैशिष्टय, अध्ययन क्षेत्र और आध्ययन विधि । ***3 अन्य विषयों से सम्बन्ध*** : जातिविज्ञान का अन्य विषय से सम्बन्ध एवं आधुनिक प्रवृतियाँ । ***4 संस्कृति*** : संस्कृति की अवधारणा और परिवर्तन । ***5 जाति व्यवस्था*** : जाति व्यवस्था, जनजाती एवं उनका विकास । ***6 आदिवासियों का सामान्य परिचय*** : संताल, मुण्डा, हो, खाड़िया, उराँव, बिरहोर, महाली, पाहाड़ीया, असुर, कोल, भूमिज आदि । ***7 समाजिक व्यवस्था*** : परिवारिक व्यवस्था, सामाजिक व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था एवं आर्थिक व्यवस्था । ***8 जनजातीयों के प्रमुख समाजिक तत्व*** – समाजिक संगठन, युवागृह, गोत्र, नातेदारी, वैवाहिक रीति, निषेधाज्ञा । ***9 जनजातियों के प्रमुख सांस्कृतिक तत्व*** – पर्व त्योंहार, नृत्य संगीत, वाद्य यंत्र, भाषा । ***11 जनजातियों की समस्याएँ एवं कल्याण कार्यक्रम*** – भूमिहस्तांतरण की समास्या, बेरोजगारी की समस्या, मद्यपान की समस्या, जनजातीय शिक्षा की समस्या, स्वास्थ की समस्या, वनदोहन की सामस्या, विस्थापन एवं पुनर्वास की समस्या, धर्मांतरण की समस्या, डायन प्रथा की समस्या, समस्याओं के निराकरण के संवैधानिक प्रावधन ।	
सहायक ग्रंथ	1 समाजिक सांस्कृतिक मानव शास्त्र : विजय शंकर उपाध्यय एवं गया पान्डे 2 झारखण्ड की जनजातियाँ : डॉ० बी० सी० शर्मा, झारखण्ड झरोखा, डी०, जी० 3, न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट रातू रोड, राँची – 834001 3 झारखण्ड के आदिवासी : डॉ० चन्दकान्त वर्मा, के० के० पब्लिकेशन, 618 पुराना कटरा, इलाहाबाद – 211002 4 झारखण्ड की रूप रेखा : डॉ० राम कुमार तिवारी, शिवांगन पब्लिकेशन शिव भवन, कमलाकान्त, रोड, रातू रोड, राँची – 834001 5 छोटानागपुर के आदिवासी उनकी भाषा–संस्कृति और गोत्र : जोसेफ कंडुलना । 6 छोटानागपुर के आदिवासी : पौलुस टोपनो । 7 जाति व्यवस्था : एन० प्रसाद 8 मानव विज्ञान : श्याम चरण दुबे 9 झारखण्डी आदिवासी जीवन और समाज : डॉ० के० सी० टुडू, आदिम जाति खेरवाल साँवता, राजदोहा, पुर्वी सिंहभूम झारखण्ड 10 मानव शास्त्र : डॉ० रामनाथ शर्मा एवं डॉ० राजेन्द्र कुमार शर्मा, एटलांटिक पब्लिकेशन एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स बी० 2, विशाल एन्क्लेव, नई दिल्ली – 110027	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

FIRST YEAR

SEMESTER – 1

Course Code	Course Title	Credit
CC-102	***सामान्य भाषा विज्ञान (General Linguistic)***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 भाषा परिचय*** – *भाषा का अर्थ एवं परिभाषा, भाषा की प्रकृति (प्रवृत्तियाँ या विशेषताएँ, भाषा के अभिलक्षण, भाषा की उत्पत्ति, भाषा का विकास, भाषा की विभिन्न इकायाँ, भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गीकरण, भाषाओं का परिवारिक वर्गीकरण, भाषा के विभिध रूप, भाषा और बोली में अंतर, राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा में भेद ।* ***2 भाषा विज्ञान एवं आधुनिक भाषा विज्ञान*** – *भाषा विज्ञान की परिभाषा, एवं स्वरूप, भाषा विज्ञान की प्रकृति, भाषा विज्ञान की शाखाएँ, भाषा विज्ञान की अध्ययन की दिशाएँ, भाषा विज्ञान का महत्व या उपयोगिता, आधुनिक भाषा विज्ञान का परिचय ।* ***3 ध्वनि विज्ञान*** – *ध्वनि या स्वन की अवधारणा, ध्वनि की उत्पत्ति, ध्वनि यंत्र (वाग्यंत्र), ध्वनि के गुण या विशेषताएँ, ध्वनि के वर्गीकरण के आधार ।* ***4 अर्थ विज्ञान*** – *आर्थ की अवधारणा एवं स्वरूप, अर्थ विज्ञान–आर्थ, नामकारण एवं प्राचीनता, शब्द और आर्थ का सम्बन्ध, आर्थबोध (संकेतग्रह) के साधन, आर्थ निर्णय के साधन, आर्थ परिवर्तन के कारण ।* ***5 रूप/पद विज्ञान*** – *व्याकरण का इतिहास, रूप की अवधारणा, शब्द, शब्द कोटियाँ एवं भेद, व्याकरणिक कोटियाँ एवं भेद, रूप परिवर्तन के कारण ।* ***6 वाक्य विज्ञान*** – *वाक्य की अवधारणा, वाक्य सम्बन्धि मान्यताएँ, वाक्य के आवश्यक तत्व, वाक्य के भेद (प्रकार), वाकय रचना, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ एवं व्याकरण ।* ***7 लिपि विज्ञान*** *: चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनिलिपि, भारतीय लिपियाँ और नागरी : खरोष्ठी, ब्राम्ही, ब्राम्ही की भारतीयता, ब्राम्ही से विकसित भारतीय लिपियाँ, देवनगरी, ओलचिकी, आदर्श लिपि के गुण ।*	
सिहायक ग्रंथ	*1 भाषा विज्ञान की भूमिका : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली* *2 भाषा विज्ञान : डॉ० भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली* *3 सामान्य भाषा विज्ञान : बाबुराम सक्सेना* *4 भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ० गंगा सहाय प्रेमी* *.5 संताली पा़रसी आ़किल : बाबूलाल मुर्मू 'आदिवासी', संताली भाषा साहित्य परिषद्, करहरबील, दुमका – 2001 ई0।* *6. आ़द पा़रसी संताली : बाबूलाल मुर्मू 'आदिवासी', संताली भाषा साहित्य परिषद्, करहड़बिल, दुमका 2001 ई0।* *7 संताली पा़रसी आ़किल : भैया हाँसदा चासा, 2012 युनिभरसल पब्लिकेशन*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) सभी प्रशन आनिवार्य* *2 सात दीर्ध उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

FIRST YEAR

SEMESTER – 1

Course Code	Course Title	Credit
CC-103	***संताली पत्रकारिता एवं पत्रिका साहित्य***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 साहित्य एवं पत्रकारिता*** *– पत्रकाातिा का अर्थ, उद्देश्य एवं आदर्श, पत्रकारिता की प्रमुख विशेषताएँ, साहित्य और पत्रकारिता में सम्बन्ध ।* ***2 साहित्य के विकास में पत्रिकाओं की भूमिका*** *– संताली साहित्य की विभिन्न विधाओं के विकास में पत्रिकाओं का योगदान ।* ***3 पत्रकारिता का उद्‌भव, विकास एवं भूमिका*** *– पत्रकारिता का उद्‌भव एवं विकास, भारतीय पत्रकारिता का उद्‌भव एवं विकास, संताली पत्रकारिता का उद्‌भव एवं विकास, पत्रकारिता के विभिन्न प्रकार या रूप ।* ***4 जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ*** *– संचार–परिभाषा, प्राकृति एवं तत्व, संचार का अर्थ एवं कार्य, संचार के प्रकार, संचार का विकास, जनसंचार– परिभाषा, विशेषताएँ, एवं उपयोग सूचना प्रोद्योगिकी की चुनौतियाँ ।* ***5 विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप*** *– विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप, बहुमाध्यम (मल्टीमीडिया), मल्टीमीडिया–कम्प्यूटर, मल्टीमीडिया–इंटरनेट, इंटरनेट और संताली, नव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम ।* ***6 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में संताली*** *– इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (रेडियो) में संताली, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (टेलीविजन, फिल्म) में संताली, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की नई संताली ।* ***7 समाचार लेखन कला*** *– समाचार–अर्थ एवं स्त्रोत, समाचार पत्र– अर्थ एवं महत्व, समाचार लेखन ।* ***8 संपादन*** *– संपादन : अर्थ एवं परिभाषा, उप–संम्पादक एवं मुख्य उप–संपादक के कार्य, संपादन के सिद्धांत, संपादन प्रक्रिया ।*	
सहायक ग्रंथ	*1 जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता : डॉ० अर्जुन तिवारी : जय भारती, इलाहवाद* *2 बाखबर बेखबर : डॉ० मिथिलेश : दिशा इंटरनेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली* *3 जनसंचार माध्यमों में हिन्दी : डॉ० चन्द्र कुमार, क्लासिकल पब्लिसिंग कम्पनी, नई दिल्ली –110015* *4 संताली साँवहेत् रेयाक् नागाम : लखन चन्द्र मुर्मू, पश्चिमा पब्लिकेशनस भूवनेशर, ओडिसा*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

FIRST YEAR

SEMESTER - 1

Course Code	Course Title	Credit
CC-104	**संतालों का स्वशासन व्यवस्था**	**04**
अध्ययन विस्तार	**1 संतालों के शासन व्यवस्थाओं का इतिहास** – मानव उत्पत्ति (विन्ती) , खेरवाड के अर्थ एवं प्राकृति, पद विभाजन, गढ़ विभाजन तथा तत्कालिन न्याय व्यवस्था । **2 खेरवाड़ बोङसो के शासन व्यवस्थाओं का उत्पत्ति एवं स्त्रोत** – पूर्वजों से सुनकर, स्मृति एवं अनुभव, लोक कथाओं से, विधि व्यवस्थाओं का चर्चा क करने से । **3 संतालों के समाजिक एकता** – जाहेर पुजा, जान्ताड़ पुजा, गिरा, सिकार, गोत्र, वैवाहिक रीति, पर्व त्योंहार, नृत्य संगीत, भाषा, जाति आदि । **4 संतालों के संस्कार व्यवस्था** – जन्म संस्कार, विवाह संस्कार, मृत्यु संस्कार । **5 संताल सांस्कृति** – पर्व : बाहा पाराब, छातु कुंड़ा आर पाता, राजा साकरात, गोम्हा, सोहराय, पुष पाराब एमान को रेयाक् आरी चाली आर ओंड़हें सेरेञ आदि, बोंगा बुरू – माग सिम, बाहा बोंगा, सेंदरा बोंगा, एरोक् सिम, माक् मोड़े, जान्ताड़ बोंगा, आसाड़िया बोंगा, हारियाड़ सिम, नावाँ जोम, सोहराय बोंगा, दुसमी एमान को रेयाक् आरी चाली, बाखेण आर मुडूत बोंगा बुरू को । **6 पारम्पारिक न्याय व्यवस्था** – प्रशासन : माझी, प्रानिक, जोगमाझी, नायके, गोडेत, न्याय– आतु माझी दोरबार, पुडसी माझी दोरबार, साकाम ओड़ेच्, चावडाल/उरछीत, पारगाना दोरबार, देश पारगाना दोरबार, लो बिर/लो मोहाल दोरबार । 7 समाजिक व्यवस्था – रिस्ते–नाते, सहयोग–सहभागिता ।	
सहायक ग्रंथ	1 माझी कोवाक् कामी होरा : निन्यानंदन हेम्ब्रम, मारशाल बाम्भेर और ऑफसेट प्रेस, आदिवासी मार्केट, स्टॉल – 10 एवं 11, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदनीपुर, 2 ट्राइबल लॉ एण्ड जॉस्टिक : डब्ल्यु० जी० आर्चर 3 ऑस्ट्रिक सिविलाइजेशन ऑफ इन्डिया : निन्यानंदन हेम्ब्रम, मारशाल बाम्भेर, आदिवासी मार्केट, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदनीपुर 4 झारखण्ड की रूप रेखा : डॉ० राम कुमार तिवारी, शिवांगन पब्लिकेशन, शिव भवन, कमलाकान्त रोड, रातु रोड राँची – 834001 5 पंपायती राज, चुनौतियां एवं संभावनाएं : महीपाल, नेशनल बुक ट्रस्ट, इन्डिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज– 2, वसंत कुज, नई दिल्ली – 110070 6 आदिम साँवता साणेस – गोविन्दा मान्डी, आदिवासी सोशियो एडुकेशनल एण्ड काल्चराल, झारखण्ड 7 झारखण्ड के आदिवासी – डॉ० चन्द्रकान्त वर्मा, के० के० पब्लिकेशन, 618 पुराना कटरा, इलाहवाद – 211002 8 खेरवाड कोवाक् आन्–आरी : आदिवासी सोशियो एडुकेशनल एण्ड काल्चराल, 14/1, कुन्डु लेन, भोवनाइपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल 9 संताल संसकार की रूपरेखा : उमाशंकार, निमाण प्रकाशन, कदमकुआँ, पटना – 3 10 खेरवाड़ कोवाक् आरी चाली आर राय रीत रेयाक् तेतेत् : निन्यानंदन हेम्ब्रम, प्रकाशक– सोनोत कुमार हेम्ब्रम, सिविल लाईब्रेरी, हेम्ब्रम दोलान, सिलदा पश्चिम मेदनीपुर– 721515	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

FIRST YEAR

SEMESTER – 1

Course Code	Course Title	Credit
CC-105	**संताली गद्य साहित्य**	**04**
अध्ययन विस्तार	चयनित गद्य साहित्य का अध्ययन करेंगे । **1 संताली कहानी** :– (क) दुलाड़ चिन्हा, पान्ते रेगे तोपाञ पे, चुड़ी, काहनी होनोलिया : नुनुलाल हेम्ब्रम "ठाम्पाठाड़", (ख) ताँबा रेनाक् सुत् पासी, सारजोम साकाम चिरायेना : डॉ० के०सी० टुडू, (ग) इञ दो ओकोय : दोलोपति मुर्मू, (घ) उयहार : सुनिल कु० बास्की, (ङ) रानियाक् चिठी : कृष्ण कु० मुर्मू "मेत्दाक्", (च) दुलाड़ खातिर : श्याम बेसरा "जिवीराड़ेच्" **2 संताली उपन्यास** : बारू बेडा : पद्मश्री भागवत मुर्म **3 संताली नाटक** : दाड़े गे धोन : पं० रघुनाथ मुर्मू, **4 संताली निबंध** :– (क) संताड़ी साँवहेत् रिनीच् एतोहोप् ओनोलिया, 15 फरवारी जेगेत् जाकात् जानाम पारसी माहा : ले०– दिगम्बर हाँसदा, (ख)संताड़ी ओनोल साँवहेत्, नाहाक् मोहोल बिचार दो ओका डाहार ते : ले०– मोहादेव हाँसदा, (ग) तेहेञ आर गापा, काहनी, उपन्यास, खिलाड : ले० आदित्य मित्र "संताली"	
सहायक ग्रंथ	1 दुलाड़ चिन्हा (काहनी): नुनुलाल हेम्ब्रम "ठाम्पाठाड़ञ", संचयन प्रकाशन, खाजांची रोड, पटना –4 2 सांताड़ी काहनी गान्थार (काहनी) : डॉ० कृष्ण चंद्र टुडू, संताली साहित्य परिषद, राजदोहा, पुर्वी सिंहभूम, झारखण्ड 3 दुलाड़ खातिर (काहनी): श्याम बेसरा "जिवी राड़ेच" 2014, बेसरा बाखोल, ताम्बाजोड़, पो०– पदम्पुर, गोड्डा, झारखण्ड – 714153 4 बारू बेडा (गामाम): भागवत मुर्मू "ठाकुर" "ठाकुर"2018, मिसेस स्वर्णलता हाँसदा, क्वटार नं० एफ. एच. सी.–223, फिल्ड हॉस्टेल कॉम्पलेक्स, पो० नबारन, जिला मुरसीदावद, डब्लयू . बी. – 742236 5 दाड़े गे धोन (नाटक) : पं० रघुनाथ मुर्मू 6 गानाञ माला : प्रो० दिगम्बर हाँसदा, आदिवासी वेलफेयर सोसाईटी, घोड़बंदा, जमशेदपुर 7 संताली ओनोल माला : मोहादेव हाँसदा, श्रीमति कौशल्या हेम्ब्रम, 70/9, सेवेन टेंक स्टेट, दुमदुम रोड, कोलकाता – 700002 8 संताली ओनोल : बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी" लिप्यंतरण : प्रो० निशोन हेम्ब्रम एवं प्रो० मानिक मार्डी, नवारम्भ, पाटना एवं कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

FIRST YEAR

SEMESTER – 2

Course Code	Course Title	Credit
CC-201	**संताली साहित्य का इतिहास**	**04**
अध्ययन विस्तार	**1 संतालों का सामान्य परिचय :** नामकरण, संताल लोगों का परिचय, क्षेत्र एवं जनसंख्या । **2 संताली साहित्य का आदिकाल** : मौखिक साहित्य, (क)बिन्ती साहित्य– जोमसिम बिन्ती, कारम बिन्ती, भाँडान बिन्ती (ख) लोक साहित्य– लोक कथा, लोक गीत, लोक नाट्य, लोकोक्ति, लोक वार्ता । **3 संताली साहित्य का मिशनरी काल या पूर्व मध्य काल** : मिशनरी द्वारा मिशनों का स्थापना, मिशनरी काल में लोक साहित्य का संकलन संपादन तथा संपादकों का जीवन परिचय, संताली पत्र पत्रीकाओं का संपादन, संताली साहित्यकारों का उद्‌भव और विकास । **4 संताली साहित्य का उत्तर मध्य काल** : लिखित साहित्य का उद्‌भव और विकास, लिखित साहित्य के प्रकार, साहित्यकारों का जीवन परिचय तथा उनके साहित्य का संक्षिप्त परिचय । **5 संताली साहित्य का आधुनिक काल** : संताली आधुनिक साहित्य का विकास, आधुनिक काल के साहित्यकारों का जीवन परिचय तथा उनके साहित्य का सक्षिप्त परिचय । **6 संताली साहित्य के विकास में पत्र पत्रीकाओं का योगदान** : पत्रीका साहित्य का उत्पत्ति और विकास, पत्रीका संपादकों का जीवन परिचय तथा उनके पत्रीकाओं का सामान्य परिचय ।	
सहायक ग्रंथ	1 संताड़ी साँवहेत् रेयाक् नागाम : लखन चंद्र मुर्मू, पश्चिमा पब्लिकेशनस भूवनेशर, ओडिसा 2 होड़ रोड़ आर साँवहेत् रेयाक् नागाम : सनत हाँसदा, आदिम पब्लिकेशन, न्यू आलिपुर, कोलकाता – 53 3 संताली साँवहेत् रेयाक् नागाम : डॉ० दमयंति बेसरा, धिगिच् पब्लिकेशन मधुबन, बारिपादा, मयुरभंज, ओडिसा 4 संताली साँवहेत् रेयाक् इतिहास : सुशिल हेम्ब्रम, 5 संताली साहित्येर इतिहास : परिमल हेम्ब्रम, 26 बी, निर्मल बुक एजेन्सी, कॉलेज रोड, कोलकाता 6 दि खेरवाल एन्सिनेट हिस्ट्री ऑफ दि संताल : बैद्यनाथ सोरेन, आदिवासी सोसियो एडुकेशनल एण्ड कल्चराल एसोसिएसन, 14/1, कुण्डु लेन, भवनीपुर, कोलकाता–25 7 खेरवाल विरदाली कोवाक् मारे नागाम : कान्हाई लाल हाँसदा, खेरवाड़ पब्लिकेशनस, संतरागाछी, हावड़ा 8 संताड़ नागाम : गंगाधर हाँसदा आर डॉ० दमयन्ति बेसरा, धिगिच् पब्लिकेशन मधुबन, बारिपादा, मयुरभंज, ओडिसा	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

FIRST YEAR

SEMESTER – 2

Course Code	Course Title	Credit
CC-202	**संताली लोक साहित्य**	**04**
अध्ययन विस्तार	**1 लोक साहित्य** : लोक साहित्य की परिभाषा, लोक साहित्य का क्षेत्र, लोक साहित्य का भेद, लोक साहित्य के स्वरूप, लोक साहित्य के महत्व । **2 लोकवार्ता** : लोकवार्ता, लोक मानस, लोक मनोविज्ञान, लोक मानस के तत्व । **3 लोक साहित्य तथा अन्य विज्ञान से संबंध** : पुरातत्व, इतिहास, धर्मतत्व, गाथा, शास्त्र (दर्शन), भाषा विज्ञान, मनोविज्ञान, नृविज्ञान तथा जातिविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान । **4 लोक साहित्य के भेद** : लोकवार्ता के भेद । **5 कथा साहित्य** : धर्मगाथा (बिन्ती), धर्मगाथा का रूप, धर्मगाथा का मूल, लोक कथा का उद्‌भव, (कुदुम आर मेनकाथा) । **6 लोक कहानी** : कहानियों का वर्गीकरण, बाल काहानी, लोक कहानी के निर्माण तन्तु । **7 लोक गीत** : लोक गीत का महत्व, शब्द या स्वर, लोक गीतों का दो रूप, लोक गीत की परिभाषा, लोक गीत तथा अन्य गीत, स्वर साधना, लोक गीतों के प्रकार, लोकगीतों के वर्गीकरण की परंपरा, गीत के निर्माण तत्व, लोकगायक आदि । **8 लोकोक्ति साहित्य** : कहावतें, कहावतों में विविध दृष्टियाँ, कहावतों का भेद, कहावतों का जन्म (भेन्ता काथा) आदि । **9 मंत्र एवं लोकचिकित्सा** : मनोरंजन, धर्मिक विश्वास, शकुन–अपशकुन, जादू–टोना (झारनी, मान्तार, बाखेंण) आदि । **10 लोक साहित्य का विविध रूप** : लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य, लोकोक्ति । **11 लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य की अन्तर** । **12 संताली पौरानिक साहित्य** : मिथ एवं लिजेण्ड– परी कथा, धर्म कथा, जाति कथा, गोत्र कथा, पशु–पक्षी कथा, सृष्टि कथा आदि ।	
सहायक ग्रंथ	1 लोक साहित्य की भूमिका : डॉ० कृष्ण देव उपाध्याय 2 लोक साहित्य विज्ञान : डॉ० सत्येन्द्र, राजस्थाी ग्रान्थागार, प्रथम माला, गणेश मन्दिर के सामने सोजती गेट, जोधपुर, राजस्थान 3 लोक साहित्य और संस्कृति : डॉ० दिनेश्वर प्रसाद 4 होड़ आर होड़ काहनी : सालखु मुर्मू, संताड़ी साँवहेत् उथनाव गाँवता, घाटसीला, पुर्वी सिंहभूम, झारखण्ड 5 दोङ सेरेञ : डब्ल्यू० जी० आर्चर एवं जी० जी० सोरेन लिप्यंतरण : प्रो० कारू माझी एवं प्रो० निशोन हेम्ब्रम), नवारम्भ, पाटना एवं कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा 6 सोरेस सेरेञ : बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी"(लिप्यंतरण : डॉ० छोटराय बास्के एवं वैजु मुर्मू), नवारम्भ, पाटना एवं कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा 7 मित् गाँडो मित् माची : प्रो० कारू माझी (लिप्यंतरण : प्रो० दिगम्बर हाँसदा एवं प्रो० निशोन हेम्ब्रम) नवारम्भ, पाटना एवं कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा 8 संताड़ साँवता आरी–चाली सेरेञ : अनुवाद– प्रो० निशोन हेम्ब्रम, नवारम्भ, पाटना एवं कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा 9 होड़ काहनी को – रेव० पी० ओ० बोडिंग 10 खेरवाड़ बोङसो धोरोम पुथी : माझी रामदास टुडू, 2007, सिताराम टुडू– काड़वाकाटा, कान्हाई लाल टुडू– झाड़ग्राम, बलराम टुडू– घाटसीला 11 संताली भेन्ताक् काथा आर काहतुक : बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी" 12 बाखेण : पं० रघुनाथ मुर्मू 13 लिटा गोडेत् : साधु रामचाँद मुर्मू, 2014, पश्चिम बंग संतली एकाडेमी, सिदो कान्हु भवन, के० डी०–18, सेक्टर–3, विधान नगर, कोलकाता– 700098 14 जोम सिम बिन्ती, काराम बिन्ती, बापला बिन्ती, भाडान बिन्ती	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	0 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

FIRST YEAR

SEMESTER – 2

Course Code	Course Title	Credit
CC-203	**साहित्य सिद्धांत**	**04**
अध्ययन विस्तार	**1 काव्य (साहित्य)** : काव्य लक्षण, काव्य के तत्व, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन । **2 साहित्यक विद्याएं** : काव्य के भेद (क) श्रव्य काव्य, (ख) दृश्य् काव्य एवं साहित्य के अन्य विद्याएं । **3 रस सिद्धांन्त (रासा)** : रस का स्वरूप, रस निष्पति, रस के अंग– स्थायीभाव, विभाव, अनुभव, संचारी भाव, विविध रस– श्रृंगार रस, वीर रस, करूण रस, अद्भुत रस, हास्य रस, रौद्र रस, बीभत्स रस, भयानक रस, शांत रस आदि। **4 शब्द शक्ति** : शब्द, शब्दार्थ और शब्द शक्ति, वाचक शब्द और अभिधा शब्द शक्ति, लक्षणा शब्द शक्ति, लक्षणा के भेद आदि । **5 अलंकार सिद्धान्त (आभरान)** : अलंकार का अर्थ, अलंकार का लक्षण और परिभाषा, मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण, शब्दालंकार, आर्थालंकार । **6 छन्द (छाँदा)** : काव्य में छन्दों की आवश्याकता और महत्ता, छन्द के तत्व तथा भेद । **7 रीति सिद्धान्त** : रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ । **8 वक्रोक्ति सिद्धान्त** : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्राक्ति एवं अभिव्यंजनावाद । **9 ध्वनि सिद्धान्त** : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि–काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य एवं चित्र–काव्य ।	
,	1 साहित्य के तत्व और आयाम : डॉ० वी० पी० केसरी 2 काव्य के रूप : गुलाब राय 3 भारतीय काव्य सिद्धांत : डॉ० नागेन्द्र 4 काव्य दर्पण : राम दहीन मिश्र 5 अलंकर मुक्तावली : आचार्य दोवेन्द्रनाथ शर्मा 6 रस छंद अलंकर : प्रो० सनत हाँसदा 7 काव्य के तत्व : आचार्य दोवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, पहात्मा गाँध मार्ग, इलाहाबाद – 1 8 काव्य शास्त्र के विभिध आयाम : मधु कराटे 9 साहित्य का वैज्ञानिक विवेचना : गणपति चन्द्र गुप्त 10 अलंकार पारिजात : नरोत्तमदास स्वामी, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, अनुपम प्लाजा–1, ब्लॉक नं० 50, संजय प्लेस, आगरा–282002 11 साहित्यालोचन : डॉ० कृष्णदेव झारी, गुप्ता प्रकाशन, 1393, सेक्टर–16, फारीदाबाद–121001 (हारियाणा) 12 साँवहेत् आरी : प्रो० शम्भू नाथ सोरेन, के० के० पब्लिकेशन्स इलाहाबाद, 211002 13 काव्यांग : डॉ० कृष्णदेव झारी, शारदा प्रकाशन, 16/एफ–3, अन्सारी रोड, दारियागंज, नई दिल्ली–110002 14 संताड़ी रोनोड़ : भारतीय पारसी माण्डेर, सी० आई० आई० एल० मैसूर	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्ध उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

FIRST YEAR

SEMESTER – 2

Course Code	Course Title	Credit
CC-204	**संताली पद्य साहित्य**	**04**
अध्ययन विस्तार	चयनित पद्य साहित्य का अध्ययन करेंगे । **1 ओनोड़हें बाहा ड़ालवाक्** : पाउल जुझार सोरोन – (1) एंगा–आपा (2) मानवाँ (3) सुक आर दुक **2 सिसिर सिरजोल** : श्याम चरण हेम्ब्रम – (4) सिसिर सिरजोल (5) बाहावाक् उयहार **3 आसाड़ बिन्ती** : नारायण सोरेन "तोड़े सुताम" – (6) आसाड़ बिन्ती (7) लावेर सोपरोत् **4 कोयोक् होर** : बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी" – (8) गाडा आड़े (9) कोयोक् होर (10) देला, नोत साँवड़ां रिमील ! **5 सिसिरजोन ऱाड़** : ठाकुर प्रसाद मुर्मू – (11) आम दो ओकोय (12) आमाक् रूप (13) जियोन दोरसोन (14) सागुन कामी रेदो जुतुम ताहेन (15) लिटा आक् **6 गोसो बाहा** : आदित्य मित्र संताली – (16) मित् होड़ बारया मोने (17) गोसो बाहा (18) एभेन सेरेञ (19) मायनो माय (20) कोयोक् होर **7 तिरयो तेताङ** : हरिहर हाँसदा– (21) तिरयो जुरी (22) पेड़ा (23) फागुन **8 सोबोर नाखा** : बादल चंद्र मुर्मू– (24) साँवहेत् (25) बीर **9 सारजोम साकाम** : (26) जिवी आर मोन सामटाव जोङ सेरेञ (27) नाल्हा तुमाल (28) बुध बोंगा (29) मित् दिन दोञ हिजुक् गेया (30) लाहाक् होर रे	
सहायक ग्रंथ	1 ओनोड़हें बाहा ड़ालवाक् : पाउल जुझार सोरोन, 2011, गेब्रियल सोरेन, द नावा इपील कमिटि, 22/1, रामलाल डे स्ट्रीट, दुमदुम कॉन्टेनमेन्ट, कोलकाता – 700028 2 सिसिर सिरजोल : श्याम चरण हेम्ब्रम, लिप्यंतरण– प्रो० किशोरी मोहन हाँसदा एवं प्रो० बीरबल हेम्ब्रम, नवारम्भ पाटना, कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा 3 आसाड़ बिन्ती : नारायण सोरेन "तोड़े सुताम" 4 कोयोक् होर : बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी" 5 सिसिरजोन ऱाड़ : ठाकुर प्रसाद मुर्मू 6 गोसो बाहा : आदित्य मित्र संताली 7 तिरयो तेताङ : हरिहर हाँसदा, 2010, यशोदा मुर्मू, बिनय हाँसदा एवं गणेश ठाकुर हाँसदा, करन्डीह, परसुडीह, जमशेदपुर – 02 8 सोबोर नाखा : बादल चंद्र मुर्मू, 2011, शंकर मुर्मू, गोड़गोड़िया, पिताजुड़ी, श्यामसुन्दरपुर, पूर्वी सिंहभूम 9 सारजोम सामाम : संकलन प्रो० रामो टुडू एवं प्रो० लाखाई बास्के, शहिद भीम टुडू फाउंडेशन, टुडू बाखुल, कुड़मा, राजनगर, सराईकेला खरस्वाँ	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

FIRST YEAR

SEMESTER – 2

Course Code	*Course Title*	*Credit*
CC-205	***शोध प्रविधि***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 शोध की परिचय*** *: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएँ, उद्देश्य, महत्व एवं प्रकार* ***2 साहित्यिक शोध*** *: साहित्यिक शोध के सिद्धांत, साहित्यिक शोध एवं वैज्ञानिक शोध में अंतर ।* ***3 साहित्यिक शोध एवं वैज्ञानिक पद्धति*** *: प्रविधि या पद्धतिशास्त्र, आविष्कार, खोज, जाँच, अन्वेषण तथा शोध, साहित्यि शोध के विभिन्न प्रकार, प्रायोगिक, वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, गुणात्मक और परिमाणातमक प्रविधि ।* ***4 शोध :*** *शोध प्रारूप, प्राक्कल्पना एवं चर ।* ***5 आँकड़े*** *: प्रथकि आँकड़े, द्वितीयक आँकड़े, आँकड़ों का स्त्रोत, प्राथमिक स्त्रोत, द्वितीयक स्त्रोत ।* ***6 प्राथमिक आँकड़े एकत्रण की विधियाँ*** *: अवलोकन, नियंत्रित अवलोकन, अनियंत्रित अवलोकन, अर्द्ध–सहभागी अवलोकन, असहभागी अवलोकन, सामूहिक अवलोकन, साक्षात्कार, अनुसूची, प्रश्नावली ।* ***7 निदर्शन :*** *संगणना, निदर्शन, प्रायिकता निदर्शन, अप्रयिकता निदर्शन ।* ***8 समंकों का प्रसंस्करण, वर्गीकरण एवं प्रस्तुतीकरण*** *: समंकों का संपादन, कूट–संकेतन, समांकों का व्यवस्थापन एवं वयवस्थापन विधियाँ ।* ***9 परिकल्पना*** *: परिकल्पना का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ ।* ***10 शोधार्थी एवं शोध निर्देशक*** *: मूलभूत अर्हतायें ।* ***11 शोध प्रारम्भ*** *: विषय चयन, स्वीकृति प्रक्रिया, रूपरेखा निर्धारण, शोध के प्रयोजन ।* ***12 शोध समस्या*** *: शोध की समस्या, शोध के विविध स्त्रोत एवं संकलन, तथ्य एवं उदाहरण, पाद टिप्पणियाँ, संदर्भ ग्रंथ सूची, टंकण आदि ।*	
सहायक ग्रंथ	*1 शोध प्रवृधि : डॉ० विनयमोहन शर्मा, नेश्नल पब्लिकेशन, नई दिल्ली* *2 अनुसंधान के तत्व : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, पाणी प्रकाशन, दिल्ली* *3 अनुसंधान : प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया : डॉ० एस० एन० गणेशन, लोकभारती प्रकाशन इलाहवाद* *4 शोध : स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि : बैजनाथ सिंहल पाणी प्रकाशन नई दिल्ली*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 3

Course Code	Course Title	Credit
CC-301	**संताली भाषा विज्ञान का वैज्ञानिक अध्ययन एवं व्याकरण**	**04**
अध्ययन विस्तार	**1 संताली भाषा** : भाषा का अर्थ, भाषा की परिभाषा, भाषा का महत्व, भाषा के तीन पक्ष–व्यक्तिगत, समाजिक, सामान्य, भाषा के दो पक्ष– ध्वनन और श्रवण । **2 संताली भाषा विकास के सोपन** : वाचिक भाषा, लिखित भाषा, यान्त्रिक भाषा । **3 संताली भाषा का उपयोग** : व्यक्ति–स्वयं, व्यक्ति–व्यक्ति, व्यक्ति–समाज । **4 संतली भाषा की विशेषताएँ** : भाषा समाजिक वस्तु है, भाषा का प्रवाह अविच्छिन्न है, भाषा सर्व–व्यापक है, भाषा सम्प्रेषण का मौखिक साधन है, भाषा अर्जित वस्तु है, भाषा व्यवहार द्वारा अर्जित की जाती है, भाषा सहज और नैसरर्गिक क्रिया है, भाषा सामाजिक दृष्टि से स्तरित वस्तु है, भाषा परिवर्तनशील है....., **5 भाषा के विभिन्न रूप** : परिनिष्ठित भाषा, विभाषा (बोली), अपभाषा, विशिष्ट (व्यावसायिक) भाषा, कूटभाषा, कृत्रिम भाषा, मिश्रित भाषा । **6 भाषा की उत्पत्ति** : संताली भाषा का उद्भव एवं विकास, संताली भाषा की बोलियाँ । **7 संसार के भाषा** : भाषा परिवार तथा भारतीय भाषाएँ, दुनिया रेयाक् पारसी को, आग्नेय एसिया तेयाक् पारसी खुँट, मुण्डा पारसी, खेरवारी, संताली पारसी, पारसी आकिल रेयाक् ओनोरोम, पारसी आकिल रेयाक् होड़मो हाटिञ, पारसी आकिल रेयाक् चाँगा को । **8 संताली व्याकरण** : आड़ा उनुरूप, दोणो, गोरोन, गोटान, जानाङ; ओजा, गुनुन, कानवा, नाङ; तोनोड़, तोनोङ; गानाट, हानाव, जेनरेत्, जेनेत्, साँगाड़, आड़ा रेयाक् पारिस, आनाड़ाङ; रोड़ोन, दोणो उनुरूम, दोणो तोनोल, आड़ आड़ा आर आयात गोड़होन, आयात रेयाक् हाटिञ ।	
सहायक ग्रंथ	1 संताली भाषा का भाषा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन : डॉ० कृष्ण चन्द्र टुडू 2 रोनोड़ : पं० रघुनाथ मुर्मू 3 नाहाक् संताड़ी रोनोड़ : साधन कुमार माण्डी, खेरवाड़ पब्लिकेशन, संतरागाछी, हावड़ा, पुर्वी मेदनिपुर, पश्चिम बंगाल 4 संताड़ी रोनोड़ : भारतीय भाषा मांडेर, सी० आई० आई० एल० मनसागंगोत्री, मैसूर–570006 5 आद पारसी आकिल – बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी", युनिवर्सल पब्लिकेशन 6 भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 7/31, अंसारी मार्ग दरियागंज, नई दिल्ली – 110002 7 संताड़ी पारसी पाँजा – सिंगराय मुर्मू, आदिवासी साँवता, सेचेत् लाक्चार सेमलेत्, सिलदा पश्चिम मेदनिपुर, पश्चिम बंगाल 8 झारखण्डी पहचान एवं भाषाएँ – भोगला सोरेन, सोबोरनाखा पब्लिकेशन कमिटि, हुलुदबनी, जमशेदपुर – 831002	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

SECOND YEAR

SEMESTER – 3

Course Code	Course Title	Credit
CC-302	**संताली निबन्ध साहित्य**	**04**
अध्ययन विस्तार	चयनित निबंध साहित्य का अध्ययन करेंगे । **1 संताड़ी ओनोल माला** : महादेव हाँसदा– चा़य चाम्पा रेयाक् काथा, हाँडी पा़रवा़ आर आबो, आजोदिया़ बुरू रे नावाँ मारसाल । **2 गानाङ माला** : प्रो० दिगम्बर हाँसदा– राज रापाक्, तेल कुपी तुपुना़य घाट, पेसा एक्ट–1996, दिसवा़ सेन्द्रा । **3 संताली ओनोल** : बाबुलाल मुर्मू "आदिबासी"– मोमोड़ बोछोर पोन्था आर संताली ओनोड़हें, कुड़चा़ बेंगाड़ **4 होड़ कोरेन मारे हापड़म को रेयाक् काथा** : रेव एल० ओ० स्क्रेप्स रूड– धा़रती बेनावेन रेयाङ; मानवाँ बा़डेन रेयाङ; खोज कामान मानवाँ जालाव केत् को रेयाङ; सिञ दुवा़र, आयरे दिशोम, कांयडे दिशोम, चा़य चाम्पा रेयाङ काथा, तोडे पुखरी, लेगचार उल्टा़व केत् रेयाक् काथा, इचा़क् बुटा़ रेयाङ; जोना जोसपुर, खासपाल बेलाञजा, सिर दिशोम सिका़र दिशोम, नागपुर, शांत दिशोम । **5 जुड़सी ओनोल माला** : सारदा प्रसाद किस्कु– साँवहेत् तोराव राकाप् रे पुथी को रेयाक् ठाँव,	
सहायक ग्रंथ	**1 संताड़ी ओनोल माला** : महादेव हाँसदा **2 गानाङ माला** : प्रो० दिगम्बर हाँसदा **3 संताली ओनोल** : बाबुलाल मुर्मू "आदिबासी" लिप्यंतरण : प्रो० निशोन हेम्ब्रम एवं प्रो० मानिक मार्डी नवारम्भ, पाटना एवं कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा **4 होड़ कोरेन मारे हापड़म को रेयाक् काथा** : रेव० एल० ओ० स्क्रेप्सरूड, पश्चिम बंगो संताली अकादमी, सिदो कान्हु भवन, के०डी० –18, सेक्टर –3, विधान नगर, कोलकाता, 700098 **5 जुड़सी ओनोल माला** : सारदा प्रसाद किस्कु	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

SECOND YEAR

SEMESTER – 3 ***Discipline Specific Elective – 1*** ***(Group – 'A')***

Course Code	*Course Title*	*Credit*
DSE-301	***संताली उपन्यास***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 हाड़मावाक् आतु*** *: आर० कार्टियस (अनुवाद) आर० आर० किस्कु रापाज – (चयनित पाठ)* *होरहो* *कबुनियाद को* *आखाजी* *हापारावोक्* *नावाडीह* *सेदाय हिलोक्* *चाम्पाई आर काञचानी* *नावाँ मुहिम* *दोचोत् मेनाक्* *हाती कोवाक् हाडगामा* *हाड़माय मोहडायेना* *शाम पारगाना* ***2 अजय गाडा ढिप रे*** *: नाथनियल मुर्मू (सम्पूर्ण पाठ)*	
सहायक ग्रंथ	***1 हाड़मावाक् आतु*** *: रोबर्ट कार्टियस (अनुवाद) रूबेन रूसेन किस्कु रापाज, पश्चिम बंगो संताली अकादेमी* ***2 अजय गाडा ढिप रे*** *: नाथनियल मुर्मू, द संताली लाईब्रेरी एण्ड कल्चराल सोसाइटी, 11/1, शेरिफ लेन, कोलकाता–700016*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 3 ***Discipline Specific Elective – 1*** ***(Group-'B')***

Course Code	Course Title	Credit
DSE-301	**संताली कविता**	**04**
अध्ययन विस्तार	*चयनित पद्य साहित्य का अध्ययन करेंगे ।* ***1 ओनोड़हें बाहा ड़ालवा़क्*** *: पाउल जुझ़ार सोरोन – (1) सोनोत होड़ आर दाँदी होड़ (2) हेड़ेम (3) आबो जानाम दिशोम* ***2 सिसिर सिरजोल*** *: श्याम चरण हेम्ब्रम – (4) बायसा़खिया़ होय (5) बाहा बोंगा रेनाक् ठ़ावका़* ***3 आसाड़ बिन्ती*** *: नारायण सोरेन "तोड़े सुता़म" – (6) का़रिगोल तिरे का़री बा़छी (7) जोनोम जिवी सिरजोन पोरान* ***4 कोयोक् होर*** *: बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी" – (8) झारना (9) निरा़न तिरयो (10) जा़पुत् दिन* ***5 सिसिरजोन रा़ड़*** *: ठाकुर प्रसाद मुर्मू – (11) आतु ओड़ाक् रे सेन रूवा़ड़ (12) तिरयो साडे कान (13) टुवा़र बाड़े (14) जियोन रेयाक् तारासिञ बेड़ा रे (15) गाते* ***6 गोसो बाहा*** *: आदित्य मित्र संताली – (16) भादोर बोंगा ताला ञिदा (17) ऐ रिमील (18) विदाक् बेड़ा (19) आम इञ रे चेत् तोफ़ात (20) आले ओड़ाक्* ***7 तिरयो तेताङ*** *: हरिहर हाँसदा– (21) सा़गीञ रिनिच् चेंणे (22) हुल जुरी (23) नेवता* ***8 सोबोर नाखा*** *: बादल चंद्र मुर्मू– (24) हिरिच् पा़सीर (25) सुक दुक* ***9 सारजोम सामाम :*** *(26) इसोराक माहिमा (27) लाहाक् होर रे (28) बोंगा सोड़े (29) दामुदोर ना़य (30) सारजोम साकामाक् आँस*	
सहायक ग्रंथ	*1 ओनोड़हें बाहा ड़ालवा़क् : पाउल जुझ़ार सोरोन, 2011, गेब्रियल सोरेन, द नावा इपील कमिटि, 22/1, रामलाल डे स्ट्रीट, दुमदुम कॉन्टेनमेन्ट, कोलकाता – 700028* *2 सिसिर सिरजोल : श्याम चरण हेम्ब्रम, लिप्यंतरण– प्रो० किशोरी मोहन हाँसदा एवं प्रो० बीरबल हेम्ब्रम, नवारम्भ पाटना, कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा* *3 आसाड़ बिन्ती : नारायण सोरेन "तोड़े सुता़म"* *4 कोयोक् होर : बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी"* *5 सिसिरजोन रा़ड़ : ठाकुर प्रसाद मुर्मू* *6 गोसो बाहा : आदित्य मित्र संताली* *7 तिरयो तेताङ : हरिहर हाँसदा, 2010, यशोदा मुर्मू, बिनय हाँसदा एवं गणेश ठाकुर हाँसदा, करन्डीह, परसुडीह, जमशेदपुर – 02* *8 सोबोर नाखा : बादल चंद्र मुर्मू, 2011, शंकर मुर्मू, गोड़गोड़िया, पिताजुड़ी, श्यामसुन्दरपुर, पूर्वी सिंहभूम* *9 सारजोम सामाम : संकलन प्रो० रामो टुडू एवं प्रो० लाखाई बास्के, शहिद भीम टुडू फाउंडेशन, टुडू बाखुल, कुड़मा, राजनगर, सराईकेला खरस्वाँ*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 3 ***Discipline Specific Elective – 1*** ***(Group-'C')***

Course Code	*Course Title*	*Credit*
DSE-301	***संताली नाटक***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 संताली नाटक का सामान्य परिचय :*** *नाटक का परिभाषा, संताली नाटक का इतिहास, संताली नाटक का उद्‌भव एवं विकास, संताली नाटक के प्रकार, नाटक के तत्व, संताली नाटक के उद्‌देश्य आदि ।* ***2 संताली एकांकी नाटक : –*** *(क) कोचे काँड़बा* ***3 संताली बृहद नाटक :–*** *(क) बिदु चाँदान* *(ख) मान दिशोम पोरान पोरायनी*	
सहायक ग्रंथ	*1 कोचे काँड़बा : सालमन मुर्मू* *2 बिदु चाँदान : पं० रघुनाथ मुर्मू* *3 मान दिशोम पोरान पोरायनी : भोगला सोरेन* *4 संताली गायान रेयाक् नागाम : परिमल हेम्ब्रम, आदिवासी साहित्य प्रकाशनी, नर्थ घोष पाड़ा, बाली, हावड़ा – 711227* *5 संताड़ी साँवहेत् रेयाक् नागाम : लखन चंद्र मुर्मू, पश्चिमा पब्लिकेशन, भुवनेश्वर* *6 संताली साहित्य रेयाक् ओमोनोम आर हारा : डॉ० के० सी० टुडू* *7 संताड़ी साँवहेत् रेयाक् नागाम : डॉ० दमयंति बेसरा, धिगीच् पब्लिकेशन, मधुबन, बारीपादा, मयुरभुज, ओडिसा*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 3 ***Discipline Specific Elective – 2*** ***(Group-'A')***

Course Code	*Course Title*	*Credit*
DSE-302	***संताली लोक कथा***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 संताली लोक कथाओं का सामान्य परिचय*** *: परिभाषा, स्वरूप, महत्व और प्रयोजन संताली लोक कथाओं के विविध रूप और प्रकार ।* ***2 संताली लोक कथाओं का इतिहास*** *: उत्पत्ति और विकास ।* ***3 संताली लोक कहानी*** *: –* *(क) गाम क़ाहनी– बाबा होड़ आर जानवाँ चुरित तेयाक् क़ाहनी ।* *(क) बिन्ती क़ाहनी– काराम बिन्ती, भाँडान बिन्ती ।* ***4 संताली लोकोक्ति*** *:–* *(क) कुदुम* *(ख) भेन्ताक् काथा* *(ग) ल़ाय आ़गु काथा* *(घ) क़ाहतुक*	
सहायक ग्रंथ	*1 होड़ क़ाहनी पुथी– 2 : रेव० पी० ओ० बोडिंग, मार्साल बाम्भेर, आदिवासी मार्केट, स्टॉल नं० –11, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदनिपुर, पश्चिम बंगाल* *2 संताली लोक कथाओं की दुनियाँ : डॉ० धानेश्वर माझी* *3 कुदुम : डॉ० धिरेन्द्रनाथ बास्के, श्री सुसील बास्के, 18/1 शान्तिनगर, रिजेन्ट पार्क, कोलकाता – 700040* *4 मेन काथा–भेन्ताक् काथा : सिरोन मुर्मू* *5 जोमसिम बिन्ती – नायके मंगल चंद्र तुड़कू लुमाङ सोरेन, आदिम पब्लिकेशन, न्यू आलिपुर, कोलकाता – 53* *6 भाँडान बिन्ती : डॉ० धिरेन्द्रनाथ बास्के, श्री सुसील बास्के, 18/1 शान्तिनगर, रिजेन्ट पार्क, कोलकाता – 700040* *7 होड़ आर होड़ क़ाहनी : सालखु मुर्मू, संताड़ी साँवहेत् उथऩाव गाँवता, घाटसीला, पुर्वी सिंहभूम, झारखण्ड* *8 लोक साहित्य की भूमिका : डॉ० कृष्ण देव उपाध्याय* *9 लोक साहित्य की सांस्कृतिक पृष्टभूमि : विद्या चौहान* *10 लोक साहित्य की भूमिका : डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER - 3 Discipline Specific Elective - 2 (Group-'B')

Course Code	Course Title	Credit
DSE-302	**संताली लोक गीत**	**04**
अध्ययन विस्तार	**1 संताली लोक गीतों का परिचय** : परिभाषा, स्वरूप, महत्व और प्रयोजन संताली लोक गीतों के विविध रूप और प्रकार – **2 संताली लोक गीतों का इतिहास** : उत्पत्ति और विकास । **3 संताली पर्व त्योहार सम्बन्धी गीत** : – (क) बाहा एवं डाहार गीत– (ख) सिंगराई गीत – (ग) काराम गीत – (घ) दासाँय गीत – (ङ) सोहराय गीत एवं ओण्हें गीत – (च) सभी प्रकार का झींका गीत – **4 संताली मनोरंजन गीत : –** (क) लाङगड़े गीत – (ख) पाता गीत – (ग) गा़ड़ी गीत – (घ) रिंजा गीत – **5 संताली श्रम गीत** : – (क) रोहोय आर हेड़हेत् सेरेञ	
सहायक ग्रंथ	1 बाहा सेरेञ : बलराम टुडू, 1013, थुलुनाथ टुडू, कांडरो, बोरो, पुरूलिया 2 हेंसाक् मा चोटे रे : महादेव हाँसदा, पुरूलिया संताली सोसाइटी, जामतोड़िया, पुरूलिया–723131 3 छिता (बाहा सेरेञ) : नायके मंगल चंद्र तुड़कू लुमाङ सोरेन, आदिम पब्लिकेशन, न्यू आलिपुर, कोलकाता – 53 4 सोरोस सेरेञ : बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी"(लिप्यंतरण : डॉ० छोटराय बास्के एवं वैजु मुर्मू), नवारम्भ, पाटना एवं कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा 5 संताली लोक गीतों में साहित्य एवं संस्कृति : डॉ० रतन हेम्ब्रम, 2005 जाहेरटोला स्कूल रोड, बारीडीह, जमशेदपुर – 17 6 लोक साहित्य विज्ञान : डॉ० सत्येन्द्र, राजस्थानी ग्रान्थागान, प्रथम माला, गणेश मन्दिर के सामने, सोजती गेट, जोधपुर, राजस्थान 7 लोक साहित्य की संस्कृति : डॉ० दिनेश्वर प्रसाद 8 लोक साहितय का अध्ययन : डॉ० त्रिलोचन पान्डे 9 लोक साहित्य की भूमिका : डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

SECOND YEAR

SEMESTER – 3 ***Discipline Specific Elective – 2*** ***(Group-'C')***

Course Code	Course Title	Credit
DSE-302	**संताली लोक नाट्य**	**04**
अध्ययन विस्तार	***1 लोक नाट्य*** : संताली लोक नाट्य की परिभाषा, स्वरूप, विशेषताएँ, महत्व और प्रयोजन । ***2 संताली लोक नाट्य का इतिहास*** : उद्भव और विकास । ***3 लोक रंगमंच तथा लोक नाट्य :*** लोक नाट्य के विविध अंग, लोक नाट्य के प्रकार । ***4 लोक नाट्य अध्ययन में दृष्टिकोण*** : पाठ्य गीत, मनोरंजन । ***5 गाड़ी एनेच् सेरेञ*** : एनेच् गाड़ी, ठेंगा गाड़ी । ***6 सिंगराई एनेच् सेरेञ*** : बिर सिंगराई, सोमाज सिंगराई । ***7 सारी सोहराय*** : पिल्चु हाड़ाम पिल्चु बुढ़ी याक् सिरजोन रेयाक् एनेच् । ***8 डान्ठा एनेच् सेरेञ*** : बिरदाली कोवाक् एनेच् । ***9 रिंज़ा एनेच् सेरेञ*** : रिंज़ा रेहों आयमा लेकान नाटक । ***10 पाटकार*** : गोच होड़ाक् काथा नटक लेकातेय सोदोरा । ***11 लोक चिकित्सा*** : ओझा, गुनी, झारनी, मान्तार, गेर–हुँसीत् ।	
सहायक ग्रंथ	*1 दि हिल ऑफ फ्लूट्स : रेव० डब्ल्यू० जी० आर्चर* *2 संताडी होड़ सेरेञ रे साँवहेत् आर लाक्चार – डॉ० रतन हेम्ब्रम* *3 सुतान टाँडी – मान जदुनाथ टुडू, आदिवासी साँवता सेचेत् लाक्चार सेमलेत्, 14/1, कुण्डू लेन, भवनीपुर, कोलकाता– 700025* *4 मान दिसोम पोरान पोरायनी – भोगला सोरेन*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 3 ***(Project Work)***

Course Code	*Course Title*	*Credit*
PR-301	***शोध पत्र***	***06***
अध्ययन विस्तार	*नियत कार्य के लिए छात्र–छात्रोओं को एच्छीक विषाय DSE-1,2, 3 या4 में से चयनित करने वाले किसी एक विषय पर शोध कार्य चयन कारना होगा । (उदाहरण के लिए यदि किसी छात्र ने DSE-1,2, 3 और4 में से क्रमशः Group A, C,A,B को चयन करता है तो उसे शोध कार्य के लिए Group A, C,A,B में से किसी एक विषय को ही चयन करना होगा ।) इस सत्र में शोध विषय पर छात्र छात्राओं का निम्नलिखित कार्य पुरा करना होगा ।* *1 शोध कार्य के लिए छात्र छात्राओं को शोध पर्यवेक्षक/निर्देशकों का चयन करना होगा ।* *2 शोध कार्य के लिए छात्र छात्राओं को शोध शिर्षक का चयन करना होगा ।* *3 शोध कार्य का प्रारूप (सिनॉप्सिस) तैयार करेंगे ।* *4 शोध हेतु आवश्यक सामाग्रीयों का चयन करना होगा ।* *5 इस सत्र में छात्र छात्राओं को शोध कार्य का 50 प्रतिशत कार्य पुरा करना होगा ।*	
सहायक ग्रंथ	*1 इस कार्य के लिए विभिन्न शोध पत्रों का सहारा लिया जा सकता है ।*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय : यह कार्य छात्र–छात्राओं को समसत्र–2 का परीक्षा समाप्त होते ही प्राराम्भ कर सकते हैं । तथा समसत्र–3 का परीक्षा समाप्त होते ही वाह्य परीक्षक द्वारा मौखिक परीक्षा ली जाएगी जिसका अंक विभाजन इस तरह होगा ।* *1 नियतकालिक प्रस्तुतिकरण (Periodical Presentation) (समय–समय पर लिया जाने वाला व्याख्यान तथा उसके प्रर्दशन के अनुसार)* *2 लिखित घटक (Written Component) (शोध का मुख्य लेख/थेसिस : लेखन विधि, लेखन कला तथा श्रेष्ठता)* *3 मौखिक परिक्षा (Viva-Voce) (सत्र के अंत में अंतरिक तथा वाह्य परिक्षक द्वारा मौखिक परिक्षा ली जाएगी)* *कुल*	 *– 20 अंक* *– 60 अंक* *– 20 अंक* *– 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 4

Course Code	Course Title	Credit
CC-401	**भारतिय साहित्य**	**04**
अध्ययन विस्तार	**1 संस्कृत भाषा साहित्य का सामान्य परिचय** : वेद, पुराण, उपनिषद, रामायण, महाभारत और गीता। **2 हिन्दी भाषा साहित्य का सामान्य परिचय** : प्रसाद, महादेवी वर्मा, प्रेमचंद, निराला और दिनकर । **3 बंगला भाषा साहित्य का सामान्य परिचय** : रविन्द्रनाथ ठाकुर, बंकिम चंद्र चट्टपाध्याय, ताराशंकर बंदोपाध्याय, काजी नुजरूल इस्लाम । **4 संताली भाषा साहित्य का सामान्य परिचय** : लोक साहित्य, लोक कथा, लोक गीत, लोक नाट्य, लोकोक्ति, लोकवार्ता । **5 संताली लोक गल्फ** : ओत उपेल मा़नमी सिरिजोन, जोमसिम बिन्ती, काराम बिन्ती, बापला बिन्ती, भाँडान बिन्ती । **6 प्रमुख पुस्तकें** : खेरवाड़ बोङसो धोरोम पुथी, हिता़ल, लिटा़ गोडेत, होड़ कोरेन मारे हापड़ाम को रेयाक् काथा । **7 प्रमुख रचनाकार** : मा़झी रामदास टुडू, पं० रधुनाथ मुर्मू, साधु रामचाँद मुर्मू ।	
सहायक ग्रंथ	1 संस्कृत साहित्य का इतिहास : वाचसपति गौरेला 2 संस्कृत साहित्य का इतिहास : बलदेव उपाध्याय 3 भारतिय साहित्य की रूपरेखा : भोला शंकर व्यास 4 बाङ्ला साहित्य का इतिहास : सुकमार सेन (हिन्दी अनुवाद : निर्मला जैन) साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली 5 खेरवाड़ बोङसो धोरोम पुथी : मा़झी रामदास टुडू 6 हिता़ल : पं० रधुनाथ मुर्मू 7 लिटा़ गोडेत : साधु रामचाँद मुर्मू 8 होड़ कोरेन मारे हापड़ाम को रेयाक् काथा : रेव० एल० ओ० एस्क्रेप्सरूड	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्ध उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

SECOND YEAR

SEMESTER – 4

Course Code	Course Title	Credit
CC-402	**अनुवाद विज्ञान एवं सिद्धांत**	**04**
अध्ययन विस्तार	**1 अनुवाद का अर्थ एवं स्वरूप** : अनुवाद का आर्थ एवं परिभाषा, अनुवाद का स्वरूप, अनुवाद का क्षेत्र, अनुवाद के प्रकार, अनुवाद का महत्व । **2 अनुवाद प्रविधि** : अनुवाद की प्रविधि, अनुवाद प्रक्रिया के विभिन्न चरण । **3 व्यवहार अनुवाद** : व्यवहार में अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद **4 वैचारिक साहित्यएवं वाणिज्यिक अनुवाद** : वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यक अनुवाद, बैंक साहित्य का अनुवाद । **5 वैज्ञानिक अनुवाद** : वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्र में अनुवाद, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुवाद । **6 संविधान का अनुवाद** : संविधान का अनुवाद, संविधान के अनुवाद की आवश्यकता । **7 कार्यालयी शब्दों का अनुवाद** : कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली का अनुवाद, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियों का अनुवाद, पदनाम का अनुवाद तथा विभागों का अनुवाद । **8 पत्रों का अनुव** : पत्रों के अनुवाद, सारानुवाद ।	
सहायक ग्रंथ	1 अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्रविधि : भोलानाथ तिवारी 2 अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, 4855–56/24 आंसारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली – 110002 3 अनुवाद विज्ञान : डॉ० बालेन्दुशेखर तिवारी 4 अनुवाद कला : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ० कैलाशचन्द्र भटिया	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्ध उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	 10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

SECOND YEAR

SEMESTER – 4 ***Discipline Specific Elective – 3*** ***(Group-'A')***

Course Code	*Course Title*	*Credit*
DSC- 401	***संताल संस्कार***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 संताल संस्कार के सामान्य परिचय*** *: संस्कार के अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं वर्गीकरण ।* ***2 संताल संस्कार का एतिहासिक दर्शन :*** *संताल शब्द की उत्पत्ति, संतालों की उत्पत्ति, संतलों का विकास, भारत में संतालों का आगमन, संतालों का आर्यों से सम्बन्ध, संताल परगना में संतालों का आगमन ।* ***3 संतालों का जीवन दर्शन*** *: पंचायती जीवन, संतालों का स्वशासन व्यवस्था, उत्तराधिकार नियम, संताल न्याय कचहरी एवं दैनिक जीवन ।* ***4 संतालों का समाज दर्शन*** *: संताल समाज, नातेदारी, (क) जन्म संस्कार : (छुतोद्धार)– छुत फेड़ाव, होयो रूवाड़, बुका तोपा, छाटयार, (नामकरण)– गिदरा जुतुम छाटयार, जानाम छाटयार, चाचो छाटयार, सेता बापला, दायहा बापला गाड़ा रे आतु एमान ।* *(ख) विवाह संस्कार : बापला रेयाक् हाटिञ – दुवार बापला, साँगे बारियात, टुङकी दिपील, कोंडेल आपाम, घारदी जावाँय बापला, गोलायटी बापला, बाहा बापला आर हों एमान एमान बापला को ।* *(ग) मृत्यु संस्कार : शवदाहन या शवगाड़न, तेल नाहान, जिलीञ होर, भाँडान को रेयाक् सानाम आरी चाली को ।* ***5 संतालों का धर्म दार्शन*** *: (क) धार्मिक संस्कार (ख) संतालों का पर्व एवं त्योहार एवं (ग) चिकित्सा*	
सहायक ग्रंथ	*1 होड़ कोरेन मारे हापड़ाम कोरेनाक् काथा : रेव० एल० ओ० एस्क्रेप्सरूड* *2 खेरवाड़ बोङसो धोरोम पुथी : माझी रामदास टुडू रेस्का* *3 होड़ होपोनाक् सेदाय काथा (पाहिल हाटिञ) : संताली एकाडेमी कोल० –25* *4 होड़ बापला : स्टीफेन मुर्मू* *5 संताडी होड़ सेरेञ रे साँवहेत् आर लाक्चार – डॉ० रतन हेम्ब्रम* *6 संताल संसकार की रूपरेखा : उमाशंकार, निमाण प्रकाशन, कदमकुआँ, पटना – 3*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 4 Discipline Specific Elective – 3 (Group-'B')

Course Code	Course Title	Credit
DSC- 401	**संताल सांस्कृति**	**04**
अध्ययन विस्तार	**1 सांस्कृति के अर्थ और लक्षण** : संस्कृति की मानवशास्त्रीय व्याख्या, संस्कृति के सार्वभौम लक्षण, भौतिक और अभौतिक संस्कृति, संस्कृति के सार्वभौम तत्व, समूह की संस्कृति का अध्ययन । **2 भारत में संस्कृतिक अवस्थायें :** प्रागैतिहासिक काल का विभाजन, भारत में पुरा–पाषाण संस्कृति, भारतीय पुरा पाषाणकाल, भारत की मुख्य पुरा–पाषाणकालीन संस्कृति, भारत के मध्य–पाषाणयुग की संस्कृति, मध्य–पाषाणयुगीन स्थल, भारत में नवपाषाण संस्कृति, सिन्धु घाटी सभ्यता । **3 संताल संस्कृति (भौतिक)** : निवास, यातायात के साधन, वेश–भूषा, उद्योग धन्धे, हथियार । **4 संताल संस्कृति (अभौतिक)** : समाजिक संगठन, कला, धर्म, नैतिकता, युद्ध आदि । **5 संस्कृति और सभ्यता** : सभ्यता और संस्कृति में अन्तर, आविष्कार और संस्कृति, आविष्कार और संस्कृति । **6 संतालों के प्रमुख सांस्कृतिक तत्व : (क)** पर्व एवं त्योहार– बाहा पाराब, छातु कुंड़ा आर पाता, राजा साकरात, गोम्हा, सोहराय, पुष पाराब एमान को रेयाक् आरी चाली आर ओंड़हें आदि । **(ख)** नृत्य– दोङ; लाङगड़े, डाहार, बाहा, डान्ठा, रिंज़ा, काराम, दासाँय, साड़पा आदि । **(ग)** वाद्य यंत्र– तुमदाक्, टामाक, चोड़चुड़ी, ढाक, कोरताल, साकवा, तिरयो, बानाम, भुवाङ; घोन्टा, रेगड़ा, झोमोर आदि । **(घ)** भाषा– मातृभाषा, व्यापारिक भाषा, शैक्षणिक भाषा, भारतीय भाषा, विदेशी भाषा आदि । **7 रीति–रिवाज और परम्परा** : आतु चिया सार सागुन, शासन व्यवस्था, परिवार एवं भरण पोषण, सिकार आदि । **8 धर्मिक व्यवस्था** : (क) बोंगा बुरू– माग सिम, बाहा बोंगा, सेंदरा बोंगा, एरोक् सिम, माक् मोड़े, जान्ताड़ बोंगा, आसाड़िया बोंगा, हारियाड़ सिम, नावाँ जोम, सोहराय बोंगा, दुसमी आदि । (ख) ओझा गुणी– झाड़–फुक, गेर, हुसित, झारनी, मान्तार, ठोकठुकी, मुदा (ग) डान–भुत– चालोन, सिंगार, बान,	
सहायक ग्रंथ	1 होड़ कोरेन मारे हापड़ाम कोरेनाक् काथा : रेव० एल० ओ० एस्क्रेप्सरूड 2 जाहेर बोंगा संताड़ को : रामेश्वर मुर्मू 3 होड़ सोमाज रिन बोंगा बुरू : धिरेन्द्रनाथ बास्के 4 बाखेंण : पं० रघुनाथ मुर्मू 5 ट्राईबल रिलिजियन : जे० ट्रोसी 6 मानवशास्त्र : डॉ० रामनाथ शर्मा एवं डॉ० राजेन्द्र कुमार शर्मा, एटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, बी.2, विशाल एन्क्लेव, नई दिल्ली – 110027 7 झारखण्ड की रूपरेखा : डॉ० राम कुमार तिवारी, शिवांगन पब्लिकेशन, शिव भवन, कमलाकान्त रोड, रातु रोड राँची – 834001 8 संताल संसकार की रूपरेखा : उमाशंकार, निमाण प्रकाशन, कदमकुआँ, पटना – 3	
समय एवं अंक विभाजन	समय – 3 घंटा 1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ) 2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर 3 आन्तरिक मूल्यांकन कुल	10 X 1 = 10 अंक 15 X 4 = 60 अंक = 30 अंक = 100 अंक

SECOND YEAR

SEMESTER – 4 ***Discipline Specific Elective – 3*** ***(Group-'C')***

Course Code	*Course Title*	*Credit*
DSC- 401	***संताल लोक कला एवं पौराणिक साहित्य***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 संताल लोक कला का सामान्य परिचय*** *: लोक कला का अर्थ, परिभाषा, प्रकार ।* ***2 संताल लोक कला का मुल्य, एवं विशेषताएँ*** *: चित्र कला– गोदना, भित्ति कला, जादुपाटिया, नृत्य कला, गीत कला, मुर्ति कला आदि ।* ***3 काष्ट कला*** *: वाद्य यंत्र निमार्ण कला, पारकोम तेञ, मा़ची तेञ, टोरोडाञ गालाञ, बाबेर ढेरा, सुनुम लेन धा़नी, ढिंकी, हाटाक्, खा़ञची, एमान ।* ***4 लोक कला का इतिहास*** *: प्राचीन लोक कला, समकालीन लोक कला, मुख्यधारा की कला पर प्रभाव, लोक कला वस्तु कला, सजावटी लोक कला, लोक कला संग्रह ।* ***5 कृषि एवं जीविका उपार्जन कला*** *: मिट्टी, लकड़ी एवं घास–फुस से घर का निर्माण कला, पेड़ में मचान बनाने की कला, हल निर्माण कला, पशुओं को वश करने की कला आदि ।* ***6 पौराणिक साहित्य*** *: कल्पणिक कथा, पौराणिक कथा, नीतिकथा, परी कथा, लघुकथा, आख्यान ।* ***7 बिन्ती साहित्य*** *: जोमसिम बिन्ती, काराम बिन्ती, छा़टिया़र बिन्ती, बापला बिन्ती, भाँडान बिन्ती, पा़टका़र बिन्ती, बाखेंण, नेहोर, ओंड़हें, झारनी, मान्तार आदि ।*	
सहायक ग्रंथ	*1 होड़ कोरेन मारे हापड़ाम कोरेनाक् काथा : रेव० एल० ओ० एस्क्रेप्सरूड* *2 खेरवाड़ बोङसो धोरोम पुथी : मा़झी रामदास टुडू रेस्का़* *3 लिटा़ गोडेत् : साधु रामचाँद मुर्मू* *4 जोमसिम बिन्ती : बुढ़ान किस्कु* *5 जोमसिम बिन्ती : का़न्हाइलाल टुडू* *6 काराम बिन्ती : का़न्हाइलाल टुडू* *7 माराञ बुरू बिन्ती : का़न्हाइलाल टुडू* *8 होड़ होपोनाक् हुना़र : बाबुलाल मुर्मू "आदिवासी" संताली ओनोल* *9 बापला बिन्ती, भाँडान बिन्ती, पा़टका़र बिन्ती, छा़टया़र बिन्ती* *10 संताली साहित्य का इतिहास : भैया हाँसदा चासा, 2012, युनिवसल पब्लिकेशन, दुमका*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्ध उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 4 ***Discipline Specific Elective – 4*** ***(Group-'A')***

Course Code	*Course Title*	*Credit*
DSC- 402	***संताली साहित्यकार एवं उनके साहित्य***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 मिशनरी काल*** *: मेदनीपुर मिशन, भीमपुर मिशन, बेनागाडिया मिशन, तालझारी मिशन, पुखुरिया मिशान, सारेडंगा मिशान, रेव० जे० फिलिप्स, रेव० ई० एल० पॉक्सले, रेव० एल० ओ० स्क्रेप्सरूड, रेव० डॉ० जर्ज ए० ग्रियर्सन, रेव० आर० कार्टियर्स, रेव० पी० ओ० बोडिंग, रेव० आर० आर० रोसनलुण्ड, रेव० डब्ल्यू० जी० आर्चर के जिवन चरित्र एवं उनके साहित्य ।* ***2 मध्य काल*** *: माझी रामदास टुडू, पाउल जुझार सोरेन, साधु रामचाँद मुर्मू, पं० रघुनाथ मुर्मू, मंगल चंद्र सोरेन (तुड़कुलुमाड), गोपाल गामालियान सोरेन, रूबेन रूसेन किस्कु रापाज, गोरा चाँद टुडू, बालकिशोर बास्के, हृदय नारायण मंडल (अधिर) स्टीफेन हकिम मुर्मू ।* ***3 आधुनिक काल*** *: नारायण सोरेन "तोड़े सुताम", डॉ० डोमन साहु "समीर", सारदा प्रशाद किस्कु, आदित्य मित्र संताली, भागवत मुर्मू ठाकुर, नुनकु सोरेन, बाढा बेसरा, चित्तु टुडू, ठाकुर प्रसाद मुर्मू, बाबुलाल मुर्मू आदिवासी, धिरेन्द्रनाथ बास्के, डोमन हाँसदा, चंद्र मोहन हाँसदा, डॉ० सुहृद कुमार भौमिक, नुनुलाल हेम्ब्रम "ठाम्पा ठाड़ाड", रघुनाथ टुडू "एभेन चेणे", केवल राम सोरेन "पायकान", लक्षमी नारायण मुर्मू "पानिरपियो", गोमोस्ता प्रसाद सोरेन, गुहिराम हेम्ब्रम "रूसिका", होरो प्रसाद मुर्मू, हरीहर हाँसदा, ।*	
सहायक ग्रंथ	*1 संताड़ी साँवहेत् रेयाक् नागाम : लखन चंद्र मुर्मू, पश्चिमा पब्लिकेशन, भुवनेश्वर* *2 संताली साहित्य रेयाक् ओमोनोम आर हारा : डॉ० के० सी० टुडू* *3 संताड़ी साँवहेत् रेयाक् नागाम : डॉ० दमयंति बेसरा, धिगीच् पब्लिकेशन, मधुबन, बारीपादा, मयुरभुज, ओडिसा* *4 संताली साँवहेत् रेयाक् इतिहास : सुशिल हेम्ब्रम,* *5 संताली साहित्येर इतिहास : परिमल हेम्ब्रम, 26 बी, निर्मल बुक एजेन्सी, कॉलेज रोड, कोलकाता* *6 होड़ मोहोल रे आकिलान को : राबोन बास्के, बिदु चाँदान लाईब्रेरी, बोरोखेजुरिया(खेरवाल नगर), पो० एडक्कोनगर, हुगली* *7 संताल संसकार की रूपरेखा : उमाशंकार, निमाण प्रकाशन, कदमकुआँ, पटना – 3* *8 संताली साहित्य का इतिहास : भैया हाँसदा चासा, 2012, युनिवस्रल पब्लिकेशन, दुमका*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 4 Discipline Specific Elective – 4 (Group-'B')

Course Code	*Course Title*	*Credit*
DSC- 402	***झारखण्ड के महापुरूष एवं उनके कृतित्व***	***04***
अध्ययन विस्तार	*1 सिदो मुर्मू* *2 कान्हु मुर्मू* *3 चाँद मुर्मू* *4 भैरोव मुर्मू* *5 बाजाल सोरेन* *6 शाम परगाना* *7 हाड़मा देश मा़झी* *8 गा़रभू मा़झी (मुर्मू)* *9 लखन* *10 चाम्पा़ई* *11 चाँदराय* *12 लाको बोदरा* *13 माझी रामदास टुडू* *14 साधु रामचाँद मुर्मू* *15 जयपाल सिंह मुण्डा*	
सहायक ग्रंथ	*1 झारखण्ड के रूपरेखा : डॉ० रामकुमार तिवरी, शिवांगन पब्लिकेशन, शिव भवन, कमलाकान्त रोड, रातू रोड, राँची– 834001* *2 सेंड़ा होड़ : सालहाय मुर्मू, धोबनी, डुङगरीडीह, मुसाबनी, पुर्वी सिंहभूम, झारखण्ड (आसेका, बाधिया)* *3 होड़ मोहाल रेन आ़किलान को : राबोन बास्के, बिदु चाँदान लईब्रेरी, बोरोखेजुरिया (खेरवाल नगर) एडक्कोनगर, हुगली* *4 झारखण्ड के शहीद : डॉ० भुवनेश्वर अनुज* *5 झारखण्ड के शहीद : दिवाकर मिंज* *6 बिहार के आदिवासी : डॉ० भुवनेश्वर अनुज* *7 होड़ होपोन रिन मायाङ गोहा को : डॉ० विश्वनाथ हाँसदा* *8 हापड़ाम कोवाक जियोन चुरित : रमेश चन्द्र किस्कु, चा़य बाहेर पब्लिकेशन, ए/7, बी.जी. लेन्स, 7 डाइमन्डहारवर रोड कोलकाता 700027* *9 हाड़मावाक् आ़तु : आर० कार्टियर्स (अनुवाद) आर० आर० किस्कु रापाज*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्ध उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 4 ***Discipline Specific Elective – 4*** ***(Group-'C')***

Course Code	*Course Title*	*Credit*
DSC- 402	***झारखण्ड का इतिहास***	***04***
अध्ययन विस्तार	***1 झारखण्ड के इतिहासिक परिचय*** *: झारखण्ड का नामकरण, झारखण्ड का क्षेत्रफल, झारखण्ड के जनजातियाँ एवं आदिम जाति,* ***2 झारखण्ड संक्षिप्त इतिहास*** *: झारखझड एक स्वतंत्र क्षेत्र, मुसलमान के शासन काल में झारखण्ड, 16वीं, 17वीं, 18वीं शताब्दी में झारखण्ड, अंग्रेजों का झारखण्ड में प्रवेश, रामगढ़ हिल ट्रेक्ट का गठन, अंग्रेजों का विरोध, छोटनागपुर प्रमण्डल का निर्माण, संताल परगना जिला का निर्माण आदि ।* ***3 झारखण्ड आंदोलन की पृष्ठभूमि*** *: झारखण्ड आंदोलन के कारण, झारखण्डी अस्मिता की लड़ाई, खरसवाँ गोलीकांड ।* ***4 झारखण्ड की स्थिति एवं विस्तार*** *: प्रशासनिक संभाग, जिलों की रूपरेखा ।* ***5 झारखण्डी आदिवसी जीवन*** *: आदिवासियों के सामान्य परिचय, जनजातियों की आर्थिक व्यवस्था, जनसंख्या, आदिवासियों के लिए सरकारी नीतियाँ ।* ***6 झारखण्ड के भौगोलिक इतिहास*** *: प्राकृति, जलवायु, खनीज सम्पदा, पर्यटन स्थल ।* ***7 झारखण्ड के राजनीतिक इतिहास*** *: झारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में जातीय राजा, ।* ***8 झारखण्ड के सांस्कृतिक इतिहास*** *: मुख्य लोक नृत्य, लोक गीत, वाद्य यंत्र, कलाकार एवं कलाकृति ।* ***9 झारखण्ड राज्य के*** *: राज भाषा, पशु, पक्षी, पेड़, फुल, फल, खाद्य ।*	
सहायक ग्रंथ	*1 झारखण्ड के रूप रेखा : डॉ० रामकुमार तिवारी, शिवांगन पब्लिकेशन, शिव भवन, कमलाकान्त रोड, रातु रोड राँची– 834001* *2 झारखण्ड की समरगाथा : शैलेन्द्र महतो, निधि बुक्स, सी–502, ताज अपार्टमेंट्स, गाजीपुर, दिल्ली–110096* *3 झारखण्डी आदिवासी जीवन और समाज : डॉ० के० सी० टुडू, आदिम जाति खेरवाल साँवता, राजदोहा, पूर्वी सिंहभूम, झारखण्ड* *4 झारखण्डी पहचान एवं भाषाएँ – भोगला सोरेन, सोबोरनाखा पब्लिकेशन कमिटि, हलुदबनी, जमशेदपुर –831002*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय – 3 घंटा* *1 दस वैकल्पि प्रश्न (वस्तुनिष्ठ)* *2 सात दीर्घ उत्तरीय प्रश्न में से चार प्रश्नोत्तर* *3 आन्तरिक मूल्यांकन* *कुल*	*10 X 1 = 10 अंक* *15 X 4 = 60 अंक* *= 30 अंक* *= 100 अंक*

SECOND YEAR

SEMESTER – 4 ***Project Work***

Course Code	*Course Title*	*Credit*
PR-401	***शोध पत्र***	***06***
अध्ययन विस्तार	*इस समसत्र में छात्र छात्राओं को निम्नलिखित शोध कार्य सम्पन्न कारना होगा ।* *1 समसत्र तीन में लिया गया शोध पत्र को यहाँ पुरा करना होगा ।* *2 शोध पत्र को अच्छी तरह कागज के गत्ते से बाइन्डिग कर परीक्षक के सामने प्रस्तुत करना होगा ।* *3 शोध पत्र के मुख्य पृष्ट में शोध का शीर्षक, विश्वविद्यालय/विभागिय लोगो, सत्र, परीक्षार्थी का नाम, पंजीयन संख्या, क्रमांक, समात्र और शोध पर्यवेक्षक का संक्षिप्त परिचय अंकित करना होगा ।*	
सहायक ग्रंथ	*1 इस कार्य के लिए विभिन्न शोध पत्रों का सहारा लिया जा सकता है ।*	
समय एवं अंक विभाजन	*समय : यह कार्य छात्र–छात्राओं को समसत्र–3 से प्रारांभ कर समसत्र–4 तक पुरा करना होगा । तथा समसत्र–4 का परीक्षा समाप्त होते ही वाह्य परीक्षक द्वारा मौखिक परीक्षा ली जाएगी जिसकी अंक विभाजन इस तरह होगी ।* *1 नियतकालिक प्रस्तुतिकरण (Periodical Presentation) (समय–समय पर लिया जाने वाला व्याख्यान तथा उसके प्रर्दशन के अनुसार)* *2 लिखित घटक (Written Component) (शोध का मुख्य लेख/थेसिस : लेखन विधि, लेखन कला तथा श्रेष्ठता)* *3 मौखिक परिक्षा (Viva-Voce) (सत्र के अंत में अंतरिक तथा वाह्य परिक्षक द्वारा मौखिक परिक्षा ली जाएगी)* *कुल*	*– 20 अंक* *– 60 अंक* *– 20 अंक* *– 100 अंक*